77 फीसदी कार्य बाकी, पूरा करने के लिए समय केवल 8.5 महीने

भटहट में बन रहे आयुष विश्वविद्यालय का 23 फीसदी ही हुआ है कार्य

लोकेश शाही

गोरखपुर। आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने पर लोक निर्माण विभाग ने कार्यदायी संस्था पर 2.10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके बाद निर्माण कार्य में तेजी आने का दावा किया जा रहा है लेकिन कार्य अभी भी पूरा नहीं हो पाया। काम, विश्वविद्यालय का निर्माण 23 फीसदी ही हो पाया है। यानी 77 फीसदी कार्य बाकी है। जबकि इसे सत्र शिक्षण (8.5 माह) में पूरा करवाया जाना है।

गुरुवारी शाही अधिकारियों के मुताबिक जिले के भटहट के निकट में 210 करोड़ रुपये से आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है। इसका निर्माण सम्बन्धित कार्यदायी संस्थान कर रहा है जिस का निर्माण के लिए 8.5 माह का समय निर्धारित किया गया था। लेकिन निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने कार्यदायी संस्था को नोटिस देकर चेतावनी दी कि काम की गति धीमी और संतोषजनक नहीं है। यदि काम में सुधार नहीं हुआ तो पेनाल्टी लगाई जाएगी। कई नोटिस के बाद भी जब कार्य ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया, तो लोक निर्माण विभाग ने एक करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगा कर कार्य के बिल से कटौती कर दी।

लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता के मुताबिक दीवार काम में विलम्ब बरतने पर कार्य को नोटिस दिया गया। इसके बाद भी काम में सुधार नहीं होने पर दिए 1.10 करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाकर मुख्य अधिशासी के पास संस्तुति के लिए भेजा है। शीघ्र कार्यदायी संस्था को बिल दिया है। कार्य में इसका निर्माण कार्य मार्च 2022 में शुरू किया था।

निर्माण में लापरवाही पर कार्यदायी संस्था पर लगा दी करोड़ का जुर्माना

आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण निजी कंपनी किया जा रही है।

समय से कार्य नहीं कराने पर पहले इसे नोटिस दिया गया। फिर भी कार्य की रफ्तार नहीं बढ़ी तो एक करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाई गई। इसके बाद भी सुधार नहीं हुआ तो एक करोड़ दस लाख रुपये की पेनाल्टी करने के लिए शीघ्र के पास स्वीकृति के लिए भेजा है। कार्य में लिप्तता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

- अनिल कुमार, अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड भाग

आयुष विश्वविद्यालय में नहीं शुरू हो सकी ओपीडी

गोरखपुर। बहुप्रतीक्षित गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय में सत्र शुरू होने के ओपीडी शुरू होने की बात कही जा रही थी लेकिन सत्र नहीं तक शुरू नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि ओपीडी संचालन के लिए काम कर रही संस्था ने 10 करोड़ का पेनाल्टी चेक भेजा दिया है लेकिन अभी कुछ काम अधूरे रह गए हैं। ऐसी स्थिति में ओपीडी का संचालन नहीं हो पा रहा है। हालांकि ओपीडी के संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने तैयारी कर रखी है। आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एके सिंह ने बताया कि ओपीडी के लिए पूरी तैयारी है। यहां आयुर्वेद, एक होमोपैथी और एक यूनानी की ओपीडी चलाई जाती है। सुनवाई मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों होना है। उम्मीद है कि कंपनी के पहले सप्ताह में ओपीडी शुरू करा दी जाएगी। सूत्र

The Times of India कार्यालय, Gorakhpur
2.1/01/2023

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय
गोरखपुर।

संख्या: ई0) ओपीपी 741/2022-2023 दिनांक: 17.01.2023

-:: ई-निविदा सूचना ::-

मेड चुनावित महोदय, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर, में होम्योपैथिक दवाओं के क्रय हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र0 सं0	कार्य/कार्यालय का नाम	क्रय का विवरण	क्रय मूल्य की अनुमानित धनराशि	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	अन्य विवरण
1	2	3	4	5	6	7
1	महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर	होम्योपैथिक औषधि	5,50,000.00	10,000.00	1000+180 (जी.एस.टी.) = 1180.00	-

होम्योपैथिक दवाओं के बिड डाक्यूमेंट http://e-tender.up.nic.in दिनांक- 25.01.2023 से 09.02.2023 को अपरान्ह 01.00 तक अपलोड किया जा सकता है। तकनीकी बिड दिनांक- 09.02.2023 को अपरान्ह 04.00 बजे खोली जायेगी।
निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://e-tender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(आर0 बी0 सिंह)
कुलसचिव
महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय
गोरखपुर।

UPHO 164546 dt 19.01.2023
www.upgov.nic.in

| मुश्किल | रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य, इस वर्ष अक्टूबर तक निर्माण पूरा करने का है लक्ष्य, छह बार दी जा चुकी है चेतावनी

18 महीने में सिर्फ 30%, आठ महीने में 70% निर्माण की चुनौती

हिन्दुस्तान - 18/01/23

भटहट, हिन्दुस्तान संवाद। पिपरी में निर्माणाधीन महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण गति नहीं पकड़ पा रहा है। निर्माण शुरू हुए 18 महीने से अधिक का समय बीत चुका है लेकिन अब तक लक्ष्य 30 प्रतिशत ही निर्माण हो पाए हो सका है। ऐसे में शेष बचे आठ माह में 70 फीसदी निर्माण पूरा कराना कार्यदायी संस्था के लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा।

आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास अगस्त 2021 में हुआ। विधि के बाउंड्रीवाल का निर्माण अक्टूबर 2021 में आरम्भ हुआ था। बाउंड्रीवाल की लम्बाई लक्ष्य मात्र तीन किलोमीटर है। 15 माह में बाउंड्रीवाल का कार्य अब भी अधूरा है। इस वर्ष सितम्बर तक सभी भवनों का निर्माण कार्य पूरा कराया जाना है।

गोरखपुरी के अधिकारियों को कार्य से अभी लगभग 70 प्रतिशत कार्य बाकी है।

गोरखपुरी का रहे निवासी। गोरखपुरी के एसएसए अधीन

32 [illegible] | 01 [illegible] | 15 [illegible]

दो तरह की चेतावनी जुर्माना

निर्माण कम्पनी पर लगा जुर्माने पर जुर्माना

मुख्यमंत्री सच्चे योगी और संत : रवि किशन

सीएम का लक्ष्य : महेंद्रपाल

सवाल रविकिशन सुबह ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री (गुरुवार) सच्चे योगी और संत हैं। सुबह दृष्टि से हर किए पर रहा है। आयुष विश्वविद्यालय के बाद आयुर्वेद, यूनानी होम्योपैथी जैसे चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा। ये प्रदेश को एक नई दिशा देने का काम करेगा। ये पहाड़ पूरा पूरी दुनिया में योग देकर काम करेगा।

अमर उजाला 16 [illegible]